सिवनी

शब्दबाणों का प्रहार

राष्ट्रबाण

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

संपादक : संजय बघेल

मंगलवार 5 मई 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in • वर्ष : 11 • अंक : 04 • पृष्ठ : 06 • मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

बंगाल में खिला कमल

बंगाल-असम, पुडुचेरी में भाजपा की जीत तय: बीजेपी मुख्यालय पहुंचे पीएम मोदी ; बंगाल जीत पर कहा- यह जमीनी कार्यकर्ताओं की मेहनत का फल

भाजपा का 5 राज्यों में से 3 (पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी) में सरकार बनाना तय है। केरल में कांग्रेस और तमिलनाडु में एक्टर विजय की टीवीके सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पहुंचे और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया ।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा- भाजपा की पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत अनगिनत कार्यकर्ताओं के पीढ़ियों से किए गए प्रयासों और संघर्षों के बिना संभव नहीं होती। मैं उन सभी को नमन करता हूं। सालों से उन्होंने जमीनी स्तर पर कड़ी मेहनत की है, हर तरह की चुनौतियों का सामना किया है और हमारे विकास एजेंडे को लोगों तक पहुंचाया है। वे ही हमारी पार्टी की असली ताकत हैं। मोदी ने पिछले साल 14 नवंबर को बिहार में जीत के बाद कहा था कि गंगाजी बिहार से बहते हुए बंगाल जाती है। बिहार ने बंगाल में भाजपा की विजय का रास्ता बना दिया है।

असम, केरल, पुडुचेरी और तमिलनाडु के चुनाव परिणाम

असम में लगातार तीसरी बार बीजेपी हैट्रिक लगा रही है। राज्य की 126 विधानसभा सीट से 722 उम्मीदवारों के चुनावी भाग्य को समेटे हुए ईवीएम, 35 जिलों के 40 मतगणना केंद्रों पर खोली गईं। राज्य में मतदान 9 अप्रैल को हुआ था, जिसमें 85.96 प्रतिशत मतदान हुआ था।
तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके एक बदले हुए राजनीतिक परिदृश्य में चुनाव लड़ रही थी, जहां उसके मुख्य प्रतिद्वंद्वी एआईएडीएमके के अलावा, अभिनेता और नेता विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम और सीमान की एनटीके जैसी नई पार्टियां भी मैदान में थीं। डीएमके राज्य में लगातार दूसरी बार सत्ता में आने की उम्मीद कर रही थी लेकिन टीवीके ने उसे झटका दे दिया है। केरल यूडीएफ और पुडुचेरी में एनडीए अच्छी बढ़त बनाए हुए है।

बंगाल में बीजेपी ने लगाया दोहरा शतक, केरल में 3 सीटें जीत गई बीजेपी

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

पश्चिम बंगाल और असम समेत पांच राज्यों में नतीजों की तस्वीर लगभग साफ हो गई है। बंगाल में बीजेपी 200 सीटों पर जीत रही है। वहीं असम में भी बीजेपी की आंधी आई है और पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिल रहा है। तमिलनाडु में इस बार खेल ही बदल गया। ऐक्टर विजय की टीवीके बहुमत के करीब पहुंच गई है। इधर केरल में कांग्रेस गठबंधन ने जीत का दावा कर दिया है। पुडुचेरी में फिर से एनडीए की सरकार रिपीट होती नजर आ रही है।

पश्चिम बंगाल में संवेदनशील माहौल देखते हुए मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। बंगाल में एक तरफ जश्न मनाया जा रहा है तो दूसरी तरफ, आसनसोल, बैरकपोर और बाकुरा में टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं में झड़प के मामले सामने आ रहे हैं। बंगाल में संभावित चुनावी हिंसा को देखते हुए ही केंद्रीय बलों को तैनात किया गया है। इस बार तमिलनाडु, केरल और पुडुच्चेरी में भी जमकर मतदान हुआ था।

तमिलनाडु ही नहीं इस राज्य में भी टीवीके ने जीती हैं सीटें

पश्चिम बंगाल में धुआंधार जीत के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, बंगालवासियों ने घुसपैठियों और उनके हितैषियों को ऐसा सबक सिखाया है, जिसे तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली पार्टियाँ कभी भूल नहीं पाएँगी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, बंगाल ने जिन आशाओं और आकांक्षाओं के साथ मोदी जी के नेतृत्व पर यह विश्वास जताया है, हम निश्चित रूप से उन्हें पूरा करेंगे। चैतन्य महाप्रभु, स्वामी विवेकानंद, कविगुरु टैगोर, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे महापुरुषों की पावन भूमि बंगाल का खोया गौरव लौटाने और 'सोनार बांग्ला' के स्वप्न को साकार करने के लिए भाजपा दिन-रात एक कर देगी।

तमिलनाडु ही नहीं इस राज्य में भी टीवीके ने जीती हैं सीटें

तमिलनाडुन में इस बार टीवीके ने सारी समीकरण ही बदलकर रख दिए हैं टीवीके लगभग 110 सीटें जीत रही है। इस बार डीएमके और एडीएमके दोनों ही सत्ता से दूर हो गई हैं और टीवीके ही सरकार बना सकती है। तमिलनाडु के अलावा पुडुचेरी में भी टीवीके ने एक सीट जीती है और दो पर आगे चल रही है।

ममता बनर्जी के आवास और सचिवालय के पास बढ़ी सुरक्षा

लोगों का एक समूह सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास के पास पहुंच गया और 'जय श्री राम' के नारे लगाए, जिसके बाद निर्वाचन आयोग के निर्देश पर वहां सुरक्षा बढ़ा दी गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

राष्ट्रबाण
अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए
सिर्फ 100 रुपए महीना
संपर्क : 7000427433

केरल में यूडीएफ को स्पष्ट बहुमत

केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने 140-सदस्यीय विधानसभा में 103 सीटों के साथ बढ़त हासिल करते हुए स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। वहीं, वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) 35 और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सिर्फ 2 सीटों तक सिमटकर रह गए हैं। यूडीएफ के भीतर कांग्रेस (आईएनसी) 64 सीटों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है, जिसके बाद इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) 22 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर है। गठबंधन के अन्य सहयोगियों ने भी मोर्चा के मजबूत प्रदर्शन में योगदान दिया है, जिसमें केरल कांग्रेस के विभिन्न गुटों ने 7 सीटें जीती हैं, क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी (आरएसपी) ने 3 सीटें हासिल की हैं और केसी(जे), सीएमपी, आरएमपीआई और केडीपी जैसे छोटे घटक दलों ने एक-एक सीट जीती है। मोर्चा से जुड़े निर्दलीय उम्मीदवारों ने 3 सीटें हासिल की हैं।

केरल मे बीजेपी ने जीतीं तीन सीटें

केरल विधानसभा चुनाव में भाजपा के तीन उम्मीदवार विजयी हुए हैं। पार्टी के उम्मीदवारों ने नेमोम, चथन्नूर और कजाकुट्टम में जीत हासिल की। भाजपा केरल के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने पुष्टि की कि पार्टी के नेतृत्व वाले राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) ने नेमोम और चथन्नूर में जीत हासिल की है। उन्होंने इसे कांग्रेस और माकपा के इस दावे का जवाब बताया कि भाजपा को राज्य में एक भी सीट नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा, ''आज नेमोम और चथन्नूर की जनता ने कांग्रेस और माकपा को करारा जवाब दे दिया है। भाजपा-राजग के राज्य में दो विधायक होंगे।'

पहले चुनाव में ही सत्ता, इन पार्टियों की लिस्ट में शामिल हो गई टीवीके

तमिल फिल्मों के सुपरस्टार विजय ने अपनी सियासी पारी के आगाज से न सिर्फ सबको हैरान कर दिया, बल्कि उनकी पार्टी तमिलागा वेट्री कषगम (टीवीके) अपने गठन के दो साल के भीतर ही देश के उन चंद सियासी 'स्टार्टअप' में शामिल हो गई जो अपने पहले ही चुनाव में सत्ता तक पहुंचने में सफल रहे। टीवीके अब आम आदमी पार्टी, असम गण परिषद और तेलुगु देशम पार्टी जैसी पार्टियों की जमात में शामिल हो गयी है जो अपने पहले चुनाव में ही सत्तासीन हो गए।

तमिलनाडु सीएम स्टालिन अपने ही बागी से हारे

असम, तमिलनाडु, केरलम और पुडुचेरी विधानसभा सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। ताजा रुझानों के मुताबिक, तमिलनाडु में बड़ा उलटफेर दिख रहा है। 2 साल पहले बनी विजय की पार्टी नंबर वन हो गई है। टीवीके ने 30 सीटों पर जीत दर्ज की है, 77 सीटों पर आगे चल रही है। इधर, तमिलनाडु के मौजूदा सीएम एमके स्टालिन कोलाथुर सीट से चुनाव हार गए हैं। उन्हें टीवीकेके बीएस बाबू ने 8000 से ज्यादा वोटों से हराया है। बाबू पहले डीएके में थे। फरवरी 2026 में ही उन्होंने वियज की पार्टी जॉइन की थी। इधर, टीवीके को सरकार बनाने के लिए

118 सीटों के साथ बहुमत हासिल करना होगा। एक्टर विजय के पिता चंद्रशेखर ने कहा है कि विजय कांग्रेस के साथ गठबंधन कर सकते हैं। इधर, केरलम में 10 साल बाद यूडीएफ सरकार की वापसी हो रही है।

सुनेत्रा पवार ने जीत का इतिहास बनाया :2.18 लाख वोटों से जीतीं ;

5 राज्यों की 7 सीटों पर उपचुनाव में भाजपा 4, कांग्रेस 2 जीती

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

देश के 5 राज्यों की 7 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के नतीजे आ गए हैं। महाराष्ट्र के बारामती सीट से हृष्टक्क उम्मीदवार

सुनेत्रा पवार ने 2 लाख 18 हजार वोटों के अंतर से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। जीत का यह अंतर भारत में किसी विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा है।

सुनेत्रा पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार की पत्नी हैं, जिनका 28 जनवरी 2026 को विमान हादसे में निधन हो गया था। बारामती अजित पवार की पारंपरिक सीट रही है। यहां से सुनेत्रा की जीत पहले से लगभग तय थी। उनके खिलाफ 22 निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में थे। महाराष्ट्र की राहुरी सीट से भाजपा के अक्षय कार्डिले जीत गए हैं। भाजपा ने गुजरात, नगालैंड और त्रिपुरा की 1-1 सीट भी जीत ली है। कर्नाटक की बागलकोट और दावणगेरे साउथ सीट पर कांग्रेस उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। उपचुनाव वालीं सभी 7 सीटें पूर्व विधायकों की मौत के कारण खाली हुई थीं। कर्नाटक, नगालैंड और त्रिपुरा में 9 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। गुजरात की लिमखेड़ा और महाराष्ट्र के बारामती और राहुरी सीट पर 23 अप्रैल को वोटिंग हुई थी।

ओडिशा के कई आदेशों को लेकर भड़के सीजेआई सूर्यकांत ; सभी फैसले रद्द

अमीरों को सजा नहीं देते, दलितों से थाना साफ कराया...

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हाईकोर्ट समेत ओडिशा की विभिन्न अदालतों द्वारा पारित उन आदेशों पर कड़ी नाराजगी जताई है जिनमें आरोपियों को जमानत देने के एवज में 'पुलिस स्टेशनों की सफाई' करने की शर्त रखी गई थी। इन आरोपियों में मुख्य रूप से दलित और आदिवासी समुदाय के लोग शामिल हैं। शीर्ष अदालत ने ऐसे सभी आदेश रद्द कर दिए।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इन शर्तों को मानवाधिकारों का उल्लंघन और व्यक्ति की गरिमा पर सीधा प्रहार बताया है। सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया था।

न्यायपालिका की छवि खराब: सीजेआई सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि 2026 में न्यायपालिका से ऐसे व्यवहार की उम्मीद नहीं की जाती। उन्होंने कहा- हमने स्वतंत्रता के 76 साल बिताए हैं और हम इस तरह से उसका कर्ज चुका रहे हैं।

क्या है पूरा मामला?

हाल ही में आई कई मीडिया रिपोर्टों में खुलासा हुआ था कि ओडिशा की कई अदालतें और स्वयं ओडिशा हाईकोर्ट जमानत देते समय अजीबोगरीब शर्तें लगा रहे हैं। पिछले 6 महीनों में ओडिशा हाईकोर्ट ने ही लगभग 50 ऐसे आदेश पारित किए थे। इनमें से ज्यादातर मामले उन दलितों और आदिवासियों से जुड़े थे, जो राज्य में खनन-विरोधी प्रदर्शनों में शामिल थे। उदाहरण के तौर पर, लक्ष्मण नायक मामले और अन्य मामलों में आरोपियों को जमानत के लिए 2 महीने तक पुलिस स्टेशन साफ करने जैसी अभूतपूर्व शर्तें लगाई गई थीं।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणियां : बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, पीठ ने इस स्थिति पर गहरी निराशा व्यक्त करते हुए ओडिशा न्यायपालिका के रवैये को आड़े हाथों लिया। जातिगत भेदभाव पर कोर्ट ने कहा कि इस तरह के आदेश समाज के हाशिए पर रहने वाले समुदायों के खिलाफ न्यायपालिका के भीतर छिपे जातिगत पूर्वाग्रह को दर्शाते हैं।

अमीरों के लिए ऐसी शर्तें नहीं

अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि साधन संपन्न और अमीर लोगों को जमानत देते समय कभी ऐसी शर्तें नहीं लगाई जाती हैं। यह शर्त इतनी क्रूर और घृणित है कि यह ओडिशा न्यायपालिका को 'जाति-आधारित' साबित कर सकती है। सीजेआई ने याद दिलाया कि हमारे संविधान ने लोगों को जो सबसे अनमोल उपहार दिया है, वह है 'जातिविहीन समाज' और 'समानता'। न्यायपालिका से इन अधिकारों की रक्षा की उम्मीद की जाती है।

सुप्रीम कोर्ट का ट्रांसजेंडर संशोधन एक्ट पर केंद्र-राज्यों को नोटिस :6 हफ्ते में जवाब मांगा

सिंघवी बोले- संशोधन पहचान खुद तय करने का अधिकार छीनता है

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार और सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किया है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने इस मामले पर 6 हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। अब इस मामले की सुनवाई तीन जजों की बेंच करेगी।

सिंघवी बोले- नालसा जजमेंट के खिलाफ है नया संशोधन

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने संशोधन पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह संशोधन ट्रांसजेंडर व्यक्तियों से 'सेल्फ आइडेंटिफिकेशन' (अपनी पहचान खुद तय करने) का अधिकार छीनता है। यह 2014 के ऐतिहासिक नालसा जजमेंट के खिलाफ है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने खुद की लैंगिक पहचान चुनने को मौलिक अधिकार घोषित किया था।

कैसे बनाएं क्रिकेट में करियर

आज के समय मे क्रिकेट को बहुत अधिक पसंद किया जाता है विराट कोहली, महेंद्र सिहं धोनी, रोहित शर्मा, सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग या फिर महिला क्रिकेटर मिताली राज, अंजुम चोपड़ा जैसी ही अन्य भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्यों को देखकर हर युवा उनके तरह ही अपना भी नाम, पैसा और सम्मान पाने के सपने देखते है। वर्तमान मे क्रिकेट को रोचकता के साथ खेलने के अलावा करियर बनाने के भी बहुत से ऑप्शन है। बहुत से लोग क्रिकेट खेलने के साथ इस क्षेत्र मे करियर भी बनाना चाहते है लेकिन सही दिशा निर्देश और जानकारी के अभाव मे अपना करियर नहीं बना पाते है। इस पोस्ट मे आप पूरी जानकारी जान पाएंगे जैसे की क्रिकेटर बनने के लिए आयु कितनी होनी चाहिए, किन दिशा निर्देशों का पालन करना होगा। लेकिन हम आपको एक बात बता दे की किसी भी मंजिल को पाने के लिए कठिन मेहनत करनी पड़ती है।

क्रिकेटर कैसे बने

आपको बता दे की एक अच्छा क्रिकेटर बननें के लिए आपको कठिन परिश्रम के साथ-साथ कुछ दिशा निर्देशों को भी ध्यान मे रखना होगा

- आप जिस बच्चे को क्रिकेटर बनना चाहता हैं उसे कम उम्र से ही किसी अच्छे कोच की निगरानी में क्रिकेट सीखना होगा।
- अगर आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर है तो आपको किसी इस्पोंसेर को ढूँढना होगा जो आपके ट्रेनिंग के खर्च उठा सके, क्योंकि क्रिकेट सिखने में काफी समय, पैसा आदि महंगे उपकरण खरीदने में बहुत से पैसो की आवश्यकता होती है।
- अगर आप क्रिकेट को ही अपना प्रोफेशन बनाना चाहते हैं तो आपको अपनी पढ़ाई निरंतर जारी रखनी चाहिये। अगर आप पढ़ाई और खेल के मध्य तालमेल बैठा सकें तो ही इस क्षेत्र मे आगे बढ़ें।
- आपको धीरज रखते हुये इस क्षेत्र मे आगे बढ़ना होगा।
- शारीरिक श्रम बहुत अधिक करना होता हैं आपको यानि अपनी फिजिकल फिटनेस पर काफी ध्यान देना होगा।
- खान-पान पर भी ध्यान दें ताकि आपका स्टेमिना ठीक रहें और आप अपना अच्छा प्रदर्शन दे सकें।
- सबसे महत्वपूर्ण बात यह है की आप मेहनती होने चाहिए, आपमें लगन होनी चाहिए और क्रिकेट के प्रति जूनून होना चाहिये तभी आप सफल हो सकते है।

क्रिकेटर बनने के लिए उम्र सीमा

8 वर्ष एक अच्छा क्रिकेटर बननें के लिए सही आयु है, यह निर्धार्ण करने के लिए की आपको या आपके बच्चे को क्रिकेटर बनना हैं और क्रिकेट मे उनकी रुचि है, तो आपको उन्हें 8 वर्ष की आयु से क्रिकेट अकादमी भेजना चाहियें, देश में एसी बहुत सी एकेडमी हैं, जो 8 वर्ष के बच्चों को प्रवेश देती हैं, परन्तु विभिन्न एकेडमीयों 17-18 वर्ष की आयु के बच्चों को भी प्रवेश प्रदान किया जाता है।

क्रिकेट अकैडमी का चयन

आपको बता दे की किसी भी एकेडमी में प्रवेश लेने से पहले उस एकेडमी से सम्बंधित कोच, रिजल्ट्स तथा डीडीसीए से एफिलिएटेड के बारें में जरूर जानना चाहिए, एक बार बच्चे ने अच्छी एकेडमी कोच से क्रिकेट के गुण सीखना आरंभ करने के पश्चात, वह कामयाबी के किस-किस स्टेप से गुजरेगा और कितनी दूर तक जायेगा, यह सब बच्चे की मेहनत और लगन पर निर्भर करता है।

निरंतर अभ्यास है जरूरी

किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करनें के लिए एक लक्ष्य का निर्धारण करना जरूरी है, इसी प्रकार एक अच्छा क्रिकेटर बननें के लिए प्रतिदिन अभ्यास करना भी बहुत जरूरी है, अगर आप बैट्समेन है, तो आपको स्टेप बाय स्टेप शॉट का अभ्यास करना चाहिए। जब तक आप को एक शॉट परफेक्ट रूप से ना आ जाये, तब तक डबल शॉट सीखने का प्रयास नहीं करना चाहिए। प्रतिदिन फिटनेस पर लगभग दो घंटे का समय दिया जाना चाहिये। यदि आप एक अच्छे बॉलर हो तो बोलिंग पर लगभग तीन घंटे का अभ्यास करना जरूरी है।

घरेलू टूर्नामेंट्स में सम्मिलित हो

अकैडमी के बाद आगे जानें के लिए बच्चे के पास बहुत से ऑप्शन होते है, उन्हें अवसर प्राप्त होनें पर डीडीसीए और बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट्स में सम्मिलित होना चाहियें, इसके लिए विभिन्न स्तर पर चयन होते रहते हैं, ऐसा पहला अवसर दिल्ली की अंडर-15 टीम के लिए चुना जाना होगा, इसके लिए दिल्ली में डीडीसीए से एफिलिएटेड क्लब या अकैडमी के मध्य टूर्नामेंट्स करवाए जाते हैं, उनमें सिलेक्शन पैनल द्वारा एक मानक निर्धारित कर दिया जाता है, जिसमें खिलाड़ी द्वारा निर्धारित रन अथवा विकेट लेनें पर ट्रायल्स के लिए बुलाया जाता है। बेहतर प्रदर्शन दिखने के बाद खिलाडी को स्टेट की अंडर-15 टीम में चुना जाएगा, इस स्तर पर सफलता प्राप्त करनें के पर उन्हें स्कूल लेवल के नैशनल टूर्नामेंट और दूसरे नैशनल टूर्नामेंट खेलनें का अवसर मिलता है, यह टूर्नामेंट्स नैशनल टीम तक पहुंचनें के लिए एक माध्यम होते हैं, इन्हीं टूर्नामेंट्स में परफॉर्म करते-करते खिलाड़ी का सिलेक्शन नैशनल लेवल की टीम्स जैसे रणजी, इंडिया अंडर-19, इंडिया ए और सीनियर टीम के लिए होता है।

क्रिकेट में करियर के विकल्प

फ़ास्ट बॉलर के रूप में

क्रिकेट में फ़ास्ट बॉलर की बहुत अधिक मांग होती है, फ़ास्ट बॉलर का करियर अधिक समय तक नहीं होता है, बड़े-बड़े फ़ास्ट बॉलर सात या आठ वर्ष में गायब हो जातें है, फ़ास्ट बॉलर लगातार तेज गेंदबाज़ी नहीं कर सकता, शुरुआत में रफ़्तार अच्छी होती है, लेकिन बाद में गति कम हो जाती है, मीडियम पेस बॉलर अगर आप को बनना है तो साथ में आप को बल्लेबाज़ी भी आनी चाहिए, क्योंकि सिर्फ मीडियम पेस बॉलर की वैल्यू कम होती है।

विकेटकीपर एवं बल्लेबाज़ के रूप में

विकेटकीपर और बल्लेबाज़ बन कर आप अपने क्रिकेटर का करियर आरंभ कर सकतें है, लेकिन इसमें एकाग्रता की बहुत अधिक आवश्यकता होती है।

बैट्समैन के रूप में

अगर आप अपना करियर बल्लेबाज़ के रूप मे बनाना चाहतें है, तो यहाँ पर आपके पास दो विकल्प हार्ड हीटर और डिफेंसिव उपलब्ध होते है, हार्डहिटर बल्लेबाज़ की आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में बहुत अधिक मांग होती है, लेकिन इनमें प्रतिस्पर्धा भी अधिक होती है, और इनका करियर शार्ट होता है, डिफेंसिव बैट्समेन की टेस्ट मैच में काफी मांग होती है, और इनका करियर लंबा चलता है।

स्पिनर के रूप में

क्रिकेट में स्पिनर की मांग भी बहुत अधिक होती है, अगर आप राइट हैंडेड है, तो आपको ओफ् स्पिनर बनना चाहिए, और लेफ्ट हैंडेड हो तो लेग स्पिनर के साथ में बल्ले बाज़ी की भी प्रैक्टिस प्रतिदिन करनी चाहिए, क्योंकि ऑल राउंडर बननें पर आपके सिलेक्शन का चांस बढ़ जाता है, और अच्छे स्पिनर को आईपीएल टेस्ट एवं वन डे मैच में सिलेक्शन का अवसर मिलता है।

पॉलिटेक्निक करने के फायदे

10वीं और 12वीं की परीक्षा पास करनें के बाद पॉलिटेक्निक कोर्स में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्रों को पॉलिटेक्निक में प्रवेश दिया जाता है, इसके माध्यम से आप किसी एक कार्य में पारंगत किये जाते है, इसमें आपको रोजगार जल्दी प्राप्त हो जाता है, पॉलिटेक्निक में प्रैक्टिकल पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे छात्र पूर्ण रूप से अपनी ट्रेड में सफल हो सके और उनका भविष्य सुनिश्चित हो सके, इस पोस्ट मे पॉलिटेक्निक क्या है, उसकी योग्यता, कोर्स कितने साल का होता है पूरी जानकारी जानकारी प्रदान करने वाले है।

पॉलिटेक्निक क्या है

पॉलिटेक्निक वह संस्थान है जिसके द्वारा छात्रों को तकनीकी क्षेत्र में तीन वर्षीय डिप्लोमा प्रदान किया जाता है, उसे पॉलिटेक्निक कहा जाता है, पॉलिटेक्निक की राज्य स्तर पर प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाता है, जिसमे सफल अभ्यर्थियों को रैंक प्रदान की जाती है, और उसी रैंक के आधार पर उनको कॉलेज का एलॉटमेंट किया जाता है, पॉलिटेक्निक की परीक्षा के द्वारा छात्रों को विभिन्न कोर्सों में प्रवेश प्रदान किया जाता है, इन कोर्सों की योग्यता हाईस्कूल से लेकर स्नातक तक होती है, छात्र अपनी योग्यता के अनुसार इसमें प्रवेश प्राप्त कर सकता है, इसमें अधिकांश कोर्स की अवधि तीन वर्ष की होती है।

शैक्षणिक योग्यता

पॉलिटेक्निक में विभिन्न प्रकार के कोर्सों का संचालन किया जाता है, और सभी के लिए अलग-अलग योग्यता है, इसकी न्यूनतम योग्यता हाईस्कूल और अधिकतम स्नातक है, आप अपनी योग्यता के अनुसार प्रवेश प्राप्त कर सकते है।

12वीं के बाद पॉलिटेक्निक कोर्स कैसे करे

पॉलिटेक्निक का कोर्स 12वीं पास करने के बाद भी कर सकते हैं किन्तु पॉलिटेक्निक कोर्स 10वीं के बाद ही किया जाए क्योंकि पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा में कक्षा 10वीं स्तर का प्रश्न पुछा जाता है। पॉलिटेक्निक पाठ्यक्रम परीक्षा के लिए कक्षा 10वीं के बाद पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा के फॉर्म भर सकते हैं। हर राज्य में पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा फॉर्म हर साल निकाला जाता है। अगर आप पॉलिटेक्निक कोर्स की परीक्षा अच्छे अंकों के साथ पास करते है, तो छात्र सरकारी कॉलेजों या बहुत अच्छी कॉलेजों में प्रवेश ले सकते हैं। इसलिए अच्छे अंकों के साथ इसे पास करना आवश्यक होता है।

पॉलिटेक्निक डिप्लोमा के फायदे

आपको बता दे की पॉलिटेक्निक में डिप्लोमा करने के बहुत से फायदे होते है जो आगे चलकर उनके करियर में उनको बहुत सहायता प्रदान करते हैं। कुछ फायदे आपको नीचे बताए गए है।

- इसे करने के बाद आपको एक टेक्निकल सर्टिफिकेट प्राप्त होता है।
- पॉलिटेक्निक के आधार पर आपको जल्द जॉब भी मिल जाता है।
- इसके बाद आप जूनियर इंजीनियर बन जाते हैं और जूनियर इंजीनियर के पद के लिए अप्लाई कर सकते हैं या लोको पायलट टेक्निकल असिस्टेंट, और बहुत सारे सरकारी पदों के लिए भी आवेदन कर सकते हैं।
- यह इंटरमीडिएट के बराबर की मान्यता प्राप्त होता है।
- अगर आप डिप्लोमा की पढ़ाई अच्छे ढंग से करते हैं आपकी समझदारी इंटरमीडिएट किए हुए छात्र से ज्यादा होता है और इसके अलावा ज्ञान भी ज्यादा होता है।
- साधारण रूप से इंटरमीडिएट करने वाले छात्र जिस सरकारी जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं उसी जॉब के लिए डिप्लोमा छात्र अप्लाई कर सकते हैं।
- बीटेक करने के लिए जाते हैं तब से सीधे सेकंड ईयर में एडमिशन मिल जाता है।
- इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कामयाब होने के लिए एक सही रास्ता है।
- जब आप डिप्लोमा करके इंजीनियरिंग करने के लिए जाते हैं तो आपको काफी आसान होता है।

सैलरी

पॉलिटेक्निक करने के बाद भारत में प्रोफेशनल्स की शुरुआती सैलरी लगभग 10,000 से 20,000 तक होती है। इसके बाद जैसे-जैसे आपका अनुभव बढ़ता जाता है वैसे-वैसे आपकी सैलरी भी बढ़ती जाती है।

प्रमुख कोर्स

- सिविल इंजिनियरिंग
- प्रिंटिंग टेक्नॉलजी
- ऑटोमोबाइल इंजिनियरिंग
- होटल मैनेजमेंट
- इलेक्ट्रिकल ऐंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजिनियरिंग
- इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड कम्यूनिकेशन इंजिनियरिंग
- मास कम्यूनिकेशन
- कंप्यूटर इंजिनियरिंग, इन्फर्मेशन टेक्नॉलजी
- माइनिंग इंजिनियरिंग, मेटलॉर्जिकल इंजिनियरिंग
- टेक्सटाइल टेक्नॉलजी, केमिकल इंजिनियरिंग
- केमिकल इंजिनियरिंग इन प्लास्टिक ऐंड पॉलिमर्स
- पेट्रोकेमिकल्स इंजिनियरिंग
- लेटर टेक्नॉलजी
- अप्लाइड इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड इंस्ट्रूमेंटेशन
- फुटवियर टेक्नॉलजी
- आर्किटेक्चर कोर्सेज
- एयरक्राफ्ट मेंटिनेंस इंजिनियरिंग
- मास कम्यूनिकेशन, इंटीरियर डिजाइनिंग
- इंटीरियर डिजाइन
- कमर्शल ऐंड फाइन आर्ट
- पैकेजिंग टेक्नॉलजी
- मकैनिकल इंजिनियरिंग
- ऑफिस मैनेजमेंट ऐंड कंप्यूटर ऐप्लिकेशन और कंप्यूटर साइंस इत्यादि।

कोर्स का चुनाव करते समय रखे यह सावधानी

इस कोर्स का चुनाव करते समय आपको यह ध्यान रखना होता अहि की आपको जिस क्षेत्र में जाने की इच्छा हो आप उसी शाखा में प्रवेश ले, अन्यथा आप का इंट्रेस्ट उस शाखा में न होने के कारण आप उस क्षेत्र में सफल नहीं है पाएंगे, कोर्स का चुनाव करते समय उसमे करियर के विषय में सही से जानकारी प्राप्त कर ले।

पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्रकार

पॉलिटेक्निक के अंतर्गत तीन प्रकार के कॉलेज होते है जो की इस प्रकार है।

- सरकारी कॉलेज
- प्राइवेट कॉलेज
- महिला पॉलिटेक्निक

आपको बता दे की अगर आपको सरकारी कॉलेज में प्रवेश मिलता है तो आपकी कोर्स की फीस कम होती है और सरकार द्वारा इसमें छात्रवृति भी मिलती है जबकि प्राइवेट कॉलेज की फीस अधिक होती है और छात्रवृति मिलने की सम्भावना कम होती है, महिला पॉलिटेक्निक के अंतर्गत केवल महिला अभ्यर्थी ही प्रवेश ले सकती है।

डिप्लोमा इन कंप्यूटर प्रोग्रामिंग

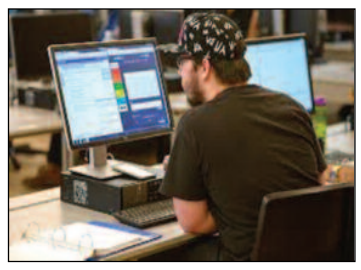

यह कोर्स 2 वर्षीय डिप्लोमा प्रोग्राम कुछ कंप्यूटर प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेज पर फोकस करता है जो कम्प्यूटेशनल डिवाइस में ऑपरेटिंग सिस्टम और कुछ एप्लीकेशन के सुचारू रूप से चलने में मदद करता है। ये कोर्स प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का ज्ञान और मोबाइल तथा कंप्यूटर उपकरणों में हाल में हुई तकनीकी प्रगति पर विशेष जोड़ देते हुए छात्रों को सिखाता है।

मार्केटिंग मैनेजमेंट में स्नातक प्रमाणपत्र

यह कोर्स 1 वर्षीय स्नातक प्रमाणपत्र प्रोग्राम है जिसे उन छात्रों के लिए बनाया गया है, जो मार्केटिंग की दुनिया में गहराई तक उतरना चाहते हैं। इसका उदेश्य छात्रों को डिजिटल मार्केटिंग में विशेषज्ञता हासिल करवाना है, जो आजकल हर बिज़नस की प्रमुख ज़रुरत बन गई है। प्रोग्राम में एसईओ, मार्केटिंग एनालिसिस और सोशल मीडिया मार्केटिंग के टूल्स और टेकनीक की सूक्ष्म दृष्टि देता है।

डिप्लोमा इन पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

यह कोर्स एक 2 वर्षीय अंडरग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम है जिसे पेट्रोलियम इंडस्ट्री में करियर बनाने की चाह रखने वालों के लिए बनाया गया है। इस कोर्स को करने के बाद आप विभिन्न ड्रिपिंग टेकनीक, तेल और गैस के प्रभावी उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा के बारे में जानेंगे। ये पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में स्पेशलाइज्ड कोर्स में से एक है, इसमें छात्रों को इस क्षेत्र के वास्तविक पहलुओं को समझने में मदद करने के लिए इंटर्नशिप और अपरेंटिसशिप जैसे इंडस्ट्री ट्रेनिंग प्रोग्राम भी शामिल हैं।

डिप्लोमा इन बिज़नस मैनेजमेंट

जो उभरते हुए उद्यमिता के क्षेत्र को पढ़ना चाहते हैं, ये उनके लिए बनी टॉप पॉलिटेक्निक कोर्सेज में शामिल है, ये 2 वर्षीय डिप्लोमा प्रोग्राम छात्रों को बिज़नस के डायनामिक्स के बारे में गहरी समझ देता है। आप बिज़नस की दुनिया के बारे में एक उद्यमी के नजरिये से जानेंगे और ये प्रोग्राम आपको अपने स्टार्टअप को सफल बनाने में जो अपेक्षित स्किल की जरूरत होती है, उससे लैस करेगा।

डिप्लोमा इन एस्टेट मैनेजमेंट

अगर आप मैनेजमेंट में स्पेशलाइज्ड पॉलिटेक्निक कोर्स ढूँढ रहे हैं तो आपको एस्टेट मैनेजमेंट में 3 वर्षीय डिप्लोमा प्रोग्राम को जरूर आजमाना चाहिए। इस कोर्स में रियल स्टेट इंडस्ट्री के लीगल, फाइनेंसियल, मैनेजरियल और टेक्निकल नॉलेज को एक साथ बताया गया है। अगर आपका सुझाव रियल स्टेट की तरफ होता है तो इस कोर्स को पूरा करने के बाद आप रियल स्टेट मैनेजमेंट के स्नातक की डिग्री के द्वितीय वर्ष में प्रवेश पाने के योग्य हो जाएंगे।

डिप्लोमा इन एनिमेशन आर्ट एंड डिज़ाइन

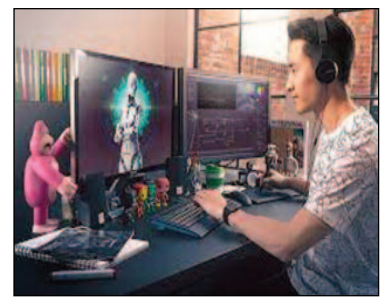

वो जो एनीमेशन और ग्राफ़िक्स की दुनिया के दीवाने हैं, उनके लिए विजुअल आर्ट्स के स्पेशलाइस्ड क्षेत्र में अनेकों पॉलिटेक्निक कोर्स मौजूद हैं। एनिमेशन आर्ट एंड डिज़ाइन में डिप्लोमा एक ऐसा प्रोग्राम है जो 7 तिमाहियों तक चलता है। छात्रों को ग्राफ़िक डिजाईन, डिजिटल आर्ट्स और इमेजिंग, 2ष और 3ष एनीमेशन और वेक्टर एनीमेशन सिखाने के लिए इस कोर्स को डिजाईन किया गया है। ये कोर्स व्यक्तियों को गेमिंग, फिल्म्स, ग्राफ़िक डिजाईन और विज्ञापन जैसे करियर क्षेत्रों में काम करने के लिए तैयार करता है।

डिप्लोमा इन हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट

यह एक 18 महीने का कोर्स है जो हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में मैनेजरियल करियर बनाने के लिए जरूरी स्किल्स छात्रों को सिखाता है। छात्रों को, होटल मैनेजमेंट के सामान्य पहलुओं से लेकर बजट के खर्चों से निपटने के लिए जरूरी ज्ञान और ग्राहकों को कैसे संभाला जाता है, इन सबकी सूक्ष्म जानकारी देना, इस कोर्स में हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट की बहुमुखी विशेषताओं को शामिल किया गया है।

डिप्लोमा इन अकाउंटिंग

सर्वाधिक माँग वाले पॉलिटेक्निक कोर्सेज में से एक, डिप्लोमा इन अकाउंटिंग 6 महीने का कोर्स है, जिसमें बुक कीपिंग और रिकॉर्ड कीपिंग के बारे में पढ़ाया जाता है। ये प्रोग्राम वित्तीय खातों के विश्लेषण, निगरानी और रिपोर्टिंग में सूक्ष्म दृष्टि देता है, इस डिप्लोमा को सफलतापूर्वक पूरा कर लेने पर आप फर्म्स और संगठनों में एक असिस्टेंट अकाउंटेंट के प्रोफाइल के लिए आवेदन कर सकते है।

Diploma of Early Childhood Education and Care

यह 18 महीने का डिप्लोमा एलेमेंट्री और प्राथमिक स्कूलों में शैक्षणिक प्रोग्राम की योजना बनाने और संचालन से जुड़े स्किल्स से छात्रों को लैस करता है। इस पाठ्यचर्या का पाठ्यक्रम समान्यत: प्रारंभिक वर्षों के सीखने के फ्रेमवर्क को फॉलो करता है, जो नये शिक्षकों को प्रभावी प्रारंभिक शिक्षण का ज्ञान प्रदान करने और सीखने की प्रक्रिया को मजेदार अनुभव बनाने के लिए इस एडवांस्ड प्रैक्टिकल मेथड्स को डिज़ाइन किया गया है।

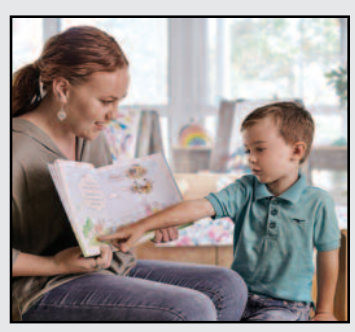

राष्ट्रबाण
सिवनी, मंगलवार 5 मई 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

• बैहर • बिरसा • कटंगी • तिरोड़ी • कटंगी • खैरलांजी • किरनापुर • लालबर्रा • लांजी • परसवाड़ा • वारासिवनी

बालाघाट में बारिश से 100 से 115 बोरी गेहूं भीगा

अधिकारी बोले- बोरियां भींगी, गेहूं नहीं ; कमेटी करेगी क्वालिटी की जांच

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट में 2 मई को आए आंधी-तूफान और बारिश ने रेलवे स्टेशन के रैक पॉइंट पर खुले में रखा गेहूं भीग गया था, जिसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। नागरिक आपूर्ति निगम अधिकारी हरीश कोरी ने रैक पॉइंट का मुआयना किया। उन्होंने बताया कि बारिश से करीब 100 से 115 बोरी गेहूं भीग गया है। इस गेहूं को फिलहाल गोंगलई मंडी में सुरक्षित रखवाया गया है। गेहूं की क्वालिटी चेक करने के लिए 5 सदस्यों की एक कमेटी बनाई गई है, जो यह तय करेगी कि यह अनाज राशन दुकानों (पीडीएस) पर बांटने लायक है या नहीं।

ट्रांसपोर्ट कंपनी पर कार्रवाई

इस पूरे मामले में ट्रांसपोर्टर की लापरवाही सामने आई है। विभाग का कहना है कि अगर समय पर रैक से गेहूं उठाया जाता, तो यह नुकसान नहीं होता। सजा के तौर पर 'मेसर्स रामेश्वरम ट्रांसपोर्ट कंपनी' के पेमेंट से 1 लाख 72 हजार 500 रुपए रोक लिए गए हैं। यह पैसा तभी दिया जाएगा जब गेहूं की जांच रिपोर्ट साफ आएगी।

क्या गेहूं सच में खराब हुआ?

अधिकारी हरीश कोरी ने बताया कि विभाग के सर्वेयर ने जो शुरुआती जांच की है, उसमें राहत की बात सामने आई है। सर्वेयर के मुताबिक, केवल बोरियां ऊपर से भीगी हैं, अंदर का गेहूं सुरक्षित है। हालांकि, अधिकारी ने साफ किया कि वे अभी भी कमेटी की फाइनल रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, जो एक हफ्ते के भीतर आ सकती है। फिलहाल, प्रशासन इस बात पर नजर रख रहा है कि भीगा हुआ अनाज किसी भी सूरत में आम जनता तक न पहुंचे और दोषियों पर उचित कार्रवाई हो।

सारे विभागों के अधिकारी कर्मचारी जमीनी स्तर पर कार्य करें: कलेक्टर

टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की हुई समीक्षा

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

04 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्ये कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, मायाराम कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्ये नगर पालिका अधिकारी वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

गेहूँ एवं चना खरीदी केंद्रो पर किसानों के लिए उत्तम व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश

बैठक में सर्वप्रथम समर्थन मूल्ये पर गेहूँ एवं चना खरीदी की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि 652 किसानों से 24 हजार 851 क्विंटल गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। किसानों को 01 करोड 72 लाख 500 रुपए का भुगतान किया जा चुका है। अब तक 2860 किसानों द्वारा स्लॉट बुकिंग की जा चुकी है। इसी प्रकार 168 किसानों से 3500 क्विंटल चना की खरीदी की जा चुकी है। कलेक्टर श्री मीना ने गेहूँ एवं चना के खरीदी केंद्रो पर किसानों के लिए छाया, पानी एवं अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने किसानों से खरीदे गए गेहूँ और चना का तेजी से भुगतान करने के निर्देश दिये और कहा कि किसानों को भुगतान के लिए परेशान न होना पडे ऐसी व्यवस्था बनायी जाए।

शालाओं में बच्चों का शत प्रतिशत पंजीयन अनिवार्य

बैठक में पीएम जनमन योजना के अंतर्गत जिन 06 हितग्राहियों के आवास का कार्य अब तक रूका है उसे शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिये गए। शालाओं में बच्चों के पंजीयन की समीक्षा के दौरान पाया गया कि लांजी के विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं बैहर के बीआरसी बैठक में उपस्थित नही है जिस पर इन दोनो अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित किया कि अगले 02 दिनों के भीतर शालाओं में बच्चों का शत प्रतिशत पंजीयन अनिवार्य रूप से कराये। 100 प्रतिशत बच्चों का पंजीयन नहीं होने पर जिम्मेदार अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही करने की चेतावनी दी गई। कलेक्टर श्री मीना ने छात्र छात्राओं को मिलने वाली विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्ति के फॉर्म शीघ्रता से भरवाने के निर्देश दिये।

प्रधानमंत्री सूर्य घर एवं कुसुम-बी योजना में प्रगति लाने के निर्देश

बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत घरों में बिजली के लिए सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गए और इसके लिए अधिक से अधिक लोगो से आवेदन कराने कहा गया। इसी प्रकार कुसुम-बी योजना के अंतर्गत सोलर सिंचाई पंप लगाने के लिए अधिक से अधिक किसानों के प्रकरण तैयार करने और उन्हें बैंक से ऋण दिलाने के निर्देश दिये गए। इस दौरान बताया गया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत 1071 घरों में सोलर पैनल लगाये जा चुके है।

योजनाओं के प्रकरण शीघ्र बैंकों को भेजे जाए

कलेक्टर श्री मीना ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित हितग्राहियों को बैंक से ऋण दिलाकर स्वरोजगार से जोडने के निर्देश दिए। इसके लिए ऋण प्रकरण तैयार कर शीघ्रता से बैंको को भेजने कहा गया। सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन योजनाओं में अनुदान एवं ऋण वितरण किया जाता है उसके प्रकरण शीघ्रता से तैयार कर बैंको को भेजे। अधिकारी शासन स्तर से लक्ष्य मिलने का इंतजार न करें बल्कि गत वर्ष मिले लक्ष्य के अनुरूप ही प्रकरण तैयार कर बैंको को भेजे।

सार्थक एप्प में उपस्थिति फिल्ड में रहकर देखी जाए

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया कि वे फिल्ड में अधिक से अधिक भ्रमण करें और स्वास्थ्य संस्थाओं में सीएचओ, एएनएम एवं अन्य कर्मचारियों की सार्थक एप्प के माध्यम से उपस्थिति सुनिश्चित करें। सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कर्मचारी अपने निर्धारित कार्य स्थल से ही सार्थक एप्प पर हाजरी लगाए। यदि किसी कर्मचारी द्वारा कार्य स्थल के अलावा अन्य स्थान से सार्थक एप्प में हाजरी लगायी जाती है तो उसके खिलाफ वेतन रोकने के साथ ही अनुशासनात्मक कार्यवाही करें।

लापरवाही बरतने पर होगी दण्डात्मक कार्यवाही

बैठक में भटेरा रोड पर बन रहे रेल ओव्हरब्रिज के कार्य में गति लाने के निर्देश दिये गए और कहा गया कि ठेकेदार द्वारा काम में गति नही लाने पर उसके विरूद्ध कार्यवाही करें। इसी प्रकार जागपुर घाट पर बन रहे पुल के कार्य में विलंब करने के लिए ठेकेदार के विरूद्ध कार्यवाही करने कहा गया। गर्रा रोड पर रेल ओव्हरब्रिज का शेष कार्य शीघ्र पूर्ण कर मई माह में ओव्हरब्रिज से यातायात अनिवार्य रूप से प्रारंभ करने के निर्देश दिये गए।

करोड़ों के विकास कार्यों को मिली रफ्तार

विधायक गौरव सिंह पारधी ने किया भूमिपूजन

कटंगी | संवाददाता
rashtrabaan.in

कटंगी क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को लेकर विधायक गौरव सिंह पारधी लगातार सक्रिय नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने ग्राम पंचायत हथौड़ा एवं समतपुरी में विभिन्न निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणजन भी शामिल हुए।

हथौड़ा में 4.15 करोड़ की सड़क का भूमिपूजन

कटंगी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम हथौड़ा में विकास की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया, जहां लोक निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृत परसवाड़ा-सांवरगांव-हथौड़ा मार्ग निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन विधायक गौरव सिंह पारधी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण सड़क परियोजना की लंबाई 5.30 किलोमीटर है, जिस पर लगभग 4.15 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

समतपुरी में सीसी रोड निर्माण की शुरुआत

इसी क्रम में ग्राम पंचायत समतपुरी में 11 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सीसी रोड का भी भूमिपूजन किया गया। इस निर्माण कार्य से गांव में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी और ग्रामीणों को राहत मिलेगी। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कविता अरविंद देशमुख, जिला पंचायत सदस्य केशर बिसेन, नगर परिषद कटंगी अध्यक्ष योगेंद्र ठाकुर, मंडल अध्यक्ष भाजपा मुकेश चौकसे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

क्षेत्रीय विकास को मिलेगी प्राथमिकता: विधायक पारधी

इस अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सड़क, पेयजल एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में भी विकास कार्यों की गति इसी तरह जारी रहेगी और क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा।

त्वरित समाधान के लिए शुरू हुई 'सीएम किसान हेल्पलाइन'

बालाघाट। म.प्र. शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं मार्गदर्शन के लिए 'सीएम किसान हेल्पलाइन' प्रारंभ की गई है। हेल्पलाइन नंबर 155253 पर जिले के किसान, कॉल कर अपनी समस्याएं दर्ज करा सकते हैं। विभाग द्वारा किसानों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाएगा तथा कृषि विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों द्वारा आवश्यक मार्गदर्शन एवं परामर्श भी उपलब्ध कराया जाएगा।

उप संचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने जिले के समस्त किसानों से अपील की है कि खेती-बाड़ी, फसल, कृषि तकनीक, योजनाओं अथवा अन्य कृषि संबंधी किसी भी समस्या के समाधान हेतु किसान हेल्पलाइन का अधिक से अधिक उपयोग करें। उन्होंने बताया कि हेल्पलाइन के माध्यम से किसानों को केंद्र एवं राज्य शासन की कृषि हितैषी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

बालाघाट के बैहर में बैटरी चोर गिरोह सक्रिय

15 दिन में 35 वाहनों से हुई चोरी, पीड़ितों को पुलिस दे रही जांच का भरोसा

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के बैहर थाना क्षेत्र में पिछले पखवाड़े में वाहनों से 30 से 35 बैटरियों की चोरी हुई है। इन घटनाओं से वाहन मालिकों और व्यापारियों की चिंता बढ़ गई है, जबकि पुलिस अब तक किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

व्यवसायी कपिल सोनी ने बताया कि उनके यार्ड में खड़े 10 डंपरों से एक ही दिन में 10 बैटरियां चोरी हो गईं। इसके अगले ही दिन चोरों ने फिर वारदात को अंजाम देते हुए 5 और नई बैटरियां चुरा लीं। सोनी के अनुसार, अब तक कुल 30 से 35 बैटरियां चोरी हो चुकी हैं। एक बैटरी की कीमत लगभग 7-8 हजार रुपये है, जिससे उन्हें बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। उन्होंने इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई है।

बैहर क्षेत्र में ट्रैक्टरों और डंपरों से बैटरी चोरी की कई अन्य घटनाएं भी सामने आई हैं। इन लगातार हो रही चोरियों से पुलिस गश्त पर सवाल उठ रहे हैं। पीड़ितों ने जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है। बैहर पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

खेलों में जलवा : अंडर-14 बास्केटबॉल में लगातार तीसरी बार गोल्ड

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट ने क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-14 बालक बास्केटबॉल वर्ग में लगातार तीसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह प्रतियोगिता 28 से 30 अप्रैल 2026 तक केवी जीसीएफ नं. 1 जबलपुर में आयोजित हुई। विद्यालय की टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अनुशासित और प्रभावशाली खेल का प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ अंडर-14 वर्ग के 10 खिलाड़ियों का चयन केवीएस राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता (ह्स्रू) के लिए हुआ है। इसके अलावा अंडर-17 बालक बास्केटबॉल वर्ग से भी 1 खिलाड़ी का चयन हुआ है। इस प्रकार कुल 11 छात्र अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

इस उपलब्धि का श्रेय विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार तुमसरे के मार्गदर्शन, शारीरिक शिक्षा शिक्षक अर्जुन कुमार के कुशल प्रशिक्षण और खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत व समर्पण को दिया जा रहा है। विद्यालय की इस सफलता से न केवल स्कूल बल्कि पूरे जिले में खुशी का माहौल है और विद्यार्थियों में खेलों के प्रति उत्साह भी बढ़ा है।

माता पिता खुशी से हुए भावुक स्टॉफ का किया आभार व्यक्त

नवजात को 60 दिनों की जंग के बाद मिली जीत

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

कहते हैं, जब हौसला और सही इलाज साथ हों तो सबसे कठिन लड़ाई भी जीती जा सकती है। ऐसा ही एक प्रेरणादायक उदाहरण जिला चिकित्सालय बालाघाट के एसएनसीयू (विशेष नवजात देखभाल इकाई) में देखने को मिला, जहां महज 880 ग्राम वजन के एक नवजात शिशु ने 60 दिनों की कठिन जंग लड़कर जिंदगी की नई शुरुआत की।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि वार्ड नंबर 11, मोहगांव (पोस्ट चांगोटोला, तहसील लामता) निवासी सुमन्द्री उइके ने 24 फरवरी 2026 को दोपहर 3:39 बजे पीएचसी मोहगांव में एक बालक को जन्म दिया। शिशु का जन्म समय से पहले (28 सप्ताह) और बेहद कम वजन (लगभग 800 ग्राम) के साथ हुआ, जिससे उसकी हालत बेहद नाजुक थी। स्थिति गंभीर होने पर नवजात को तुरंत जिला चिकित्सालय बालाघाट के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया। सांस लेने में अत्यधिक तकलीफ के चलते शिशु को प्रोटोकॉल के तहत 11 दिनों तक वेंटिलेशन सपोर्ट (मशीन) पर रखा गया। साथ ही 5 दिनों तक एंटीबायोटिक दवाओं का उपचार भी दिया गया।

डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की सतत निगरानी में शिशु को शुरुआत से ही मां का दूध नली के माध्यम से दिया गया। धीरे-धीरे हालत में सुधार आने पर उसे कटोरी-चम्मच से दूध पिलाना शुरू किया गया। नियमित जांच, देखभाल और विशेष उपचार के चलते शिशु की स्थिति में लगातार सुधार होता गया। करीब 60 दिनों की कड़ी निगरानी और उपचार के बाद, 23 अप्रैल 2026 को जब शिशु का वजन बढ़कर 1500 ग्राम हो गया और वह पूरी तरह स्वस्थ हो गया, तब उसे सफलतापूर्वक डिस्चार्ज कर दिया गया।

सिकंद्रा में चंदन नदी पर किया श्रमदान

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

जन अभियान परिषद द्वारा 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत विकासखंड वारासिवनी के ग्राम सिकंद्रा में चंदन नदी के घाट पर श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। श्रमदान के दौरान प्रतिभागियों ने नदी किनारे जमा पन्नी, कचरा एवं गाद को हटाकर साफ-सफाई की और जल संरक्षण का संदेश दिया। इसके पश्चात एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें जल बचाने और उसके महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई।

संगोष्ठी में विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार भगत ने कहा कि वर्तमान समय में जल का महत्व अत्यंत बढ़ गया है और यदि अभी से हर व्यक्ति पानी की एक-एक बूंद बचाने का प्रयास नहीं करेगा, तो भविष्य गंभीर संकट में पड़ सकता है। उन्होंने 'जल नहीं तो कल नहीं' के संदेश को आत्मसात करने की अपील करते हुए जल संरक्षण और संवर्धन के लिए नियमित साप्ताहिक श्रमदान करने का निर्णय भी साझा किया। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे छोटे-छोटे उपाय जैसे वाटर हार्वेस्टिंग, बोरी बंधान और सोख्ता गड्ढों के माध्यम से जल संरक्षण में योगदान दें।

राष्ट्रबाण
सिवनी, मंगलवार 5 मई 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

प्रशासक नहीं, जन-सेवक

आईपीएस सुनील मेहता के सेवा-संकल्प की एक विस्तृत गाथा

आईपीएस का आदर्श वाक्य

सत्यमेव जयते (सत्य की ही जीत होती है) और इनकी सेवा का मूल मंत्र परित्राणाय साधूनाम् (सज्जनों के कल्याण के लिए) है।

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

भारतीय पुलिस सेवा का नाम आते ही अक्सर ज़हन में कड़क वर्दी और सख्त अनुशासन की तस्वीर उभरती है, लेकिन मध्यप्रदेश कैडर के अधिकारी सुनील मेहता ने इस परिभाषा में संवेदना और सकारात्मकता का एक नया अध्याय जोड़ दिया है। उनकी कार्यप्रणाली केवल फाइलों के निस्तारण या अपराधियों की धरपकड़ तक सीमित नहीं है, बल्कि वे उस व्यवस्था के निर्माण में जुटे हैं जहाँ न्याय केवल कागजों पर नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति की दहलीज पर खड़ा नजर आए।

भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी सुनील मेहता इन दिनों अपने अनुशासन और मानवीय दृष्टिकोण के अनूठे समन्वय के कारण चर्चा में हैं। उन्होंने सिद्ध किया है कि पुलिसिंग केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है बल्कि यह समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और सुरक्षा का भरोसा पहुँचाने का माध्यम भी है।

सुनील मेहता ने अपने अधिकार क्षेत्र में खुला दरबार जैसी पहल शुरू की है, जहाँ आम नागरिक बिना किसी डर के अपनी शिकायतें सीधे उन तक पहुँचा सकते हैं। उन्होंने पुलिसिंग में पारदर्शिता लाने के लिए भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है और केस सुलझाने की गति में तक का सुधार देखा गया है।

युवाओं को अपराध की दुनिया से दूर रखने के लिए उन्होंने कौशल विकास कार्यक्रमों की शुरुआत किया था, जो सकारात्मक पुलिसिंग की एक मिसाल है। सुनील मेहता जैसे अधिकारी इस बात का प्रमाण हैं कि सकारात्मक सोच और ईमानदार प्रयासों से पुलिस विभाग की छवि को बेहतर बनाया जा सकता है। उनकी यह कार्यप्रणाली न केवल विभाग के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि युवाओं के लिए भी एक आदर्श प्रस्तुत करती है।

कर्तव्यनिष्ठा और अटूट संकल्प का संगमः सुनील मेहता के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता उनकी सहजता है। उन्होंने यह साबित किया है कि एक प्रभावी अधिकारी बनने के लिए दूरी बनाना जरूरी नहीं, बल्कि जनता के करीब जाना अनिवार्य है। सिवनी कार्यकाल के दौरान पुलिस थानों की कार्यसंस्कृति में जो बदलाव आया है, वह काबिले तारीफ है। उनके नेतृत्व में पुलिस अब भय का नहीं, बल्कि भरोसे का पर्याय बन चुकी है। वे एक ऐसे अधिकारी हैं जो आधी रात को भी किसी पीड़ित की गुहार सुनने के लिए उतने ही तत्पर रहते हैं, जितना कि अपने कार्यालय समय के दौरान।

पुलिस अधीक्षक सिवनी से पुलिस उपायुक्त इंदौर

सुनील मेहता ने सिवनी जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्य करते हुए जिले की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया। उनके कार्यकाल के दौरान स्थानीय स्तर पर होने वाले अपराधों पर लगाम लगाने के लिए उन्होंने पुलिस गश्त और खुफिया तंत्र को सक्रिय किया। साथ ही उन्होंने आम जनता और पुलिस के बीच की दूरी कम करने के लिए विभिन्न सामुदायिक संवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया।

मई 2026 में हुए बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तहत सुनील मेहता को सिवनी से स्थानांतरित कर इंदौर में पुलिस उपायुक्त नियुक्त किया गया है। इंदौर प्रमुख औद्योगिक और शहरी केंद्र में अपनी नई भूमिका को अब से संभालेंगे। वहां पर सुरक्षा और अनुशासन की चुनौतियों को संभालने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वर्तमान में वे इंदौर में कानून और व्यवस्था के मोर्चे पर अपनी सेवाएँ देंगे। वही पुलिसिंग में तकनीक का उपयोग कर केस डायरी और शिकायतों के त्वरित निराकरण पर जोर दिया साथ ही विभाग के भीतर अनुशासन बनाए रखने के साथ-साथ पुलिसकर्मियों की कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा।

मेरा लक्ष्य एक ऐसी पुलिस व्यवस्था बनाना है जिससे अपराधी डरे और आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस करे।
-सुनील मेहता, आईपीएस

बदलाव के असली नायक

सुनील मेहता की तारीफ में लिखे गए शब्द उनके कार्यों की विशालता के सामने कम पड़ सकते हैं। उनका जीवन और उनकी सेवा यात्रा उन सभी युवाओं के लिए एक मशाल है जो सिविल सेवाओं के माध्यम से देश सेवा का सपना देखते हैं। वे केवल एक अधिकारी नहीं हैं, वे एक विचार हैं जिसमें यह विचार कि सत्ता का असली उपयोग समाज के उद्धार और न्याय की स्थापना के लिए होना चाहिए। प्रदेश की जनता के लिए उनका नाम आज एक सकारात्मक परिवर्तन का हस्ताक्षर बन चुका है। यह समाचार लेख सुनील मेहता के प्रशासनिक योगदान और उनके जन-हितैषी दृष्टिकोण को समर्पित है, जो खाकी वर्दी की गरिमा को नई ऊँचाइयों पर ले जा रहे हैं।

नवाचार आधुनिक पुलिसिंग के प्रणेता

तकनीकी रूप से दक्ष सुनील मेहता ने मध्यप्रदेश में पुलिसिंग को 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार किया है। उन्होंने अपराधों के त्वरित निराकरण के लिए साक्ष्य-आधारित पुलिसिंग को बढ़ावा दिया। डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल फॉरेंसिक के प्रति उनका रुझान अपराधियों के लिए काल साबित हुआ है। उन्होंने न केवल साइबर अपराधों पर लगाम लगाई, बल्कि आम आदमी के मन में सुरक्षा का भाव भी पैदा किया।

एक मार्गदर्शक और आदर्श व्यक्तित्व

विभाग के भीतर वे केवल एक अधिकारी नहीं, बल्कि एक कुशल मार्गदर्शक के रूप में जाने जाते हैं। अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के कल्याण और उनके मानसिक स्वास्थ्य के प्रति उनकी संवेदनशीलता ने पुलिस बल के मनोबल को सातवें आसमान पर पहुँचाया है। वे मानते हैं कि जब पुलिसकर्मी खुद को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करेगा, तभी वह समाज की बेहतर सेवा कर पाएगा।

जिले में गेहूं उपार्जन कार्य तेज

17 हजार से अधिक किसानों से हुई खरीदी, 58.88 करोड़ का भुगतान जारी

सिवनी। संवाददाता

जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य सुचारू रूप से संचालित हो रहा है, जिसमें अब तक 17,145 किसानों ने अपनी उपज बेची है। वर्तमान में संचालित 78 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से कुल 93,422 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन में प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है और अधिकारी लगातार केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। खरीदी के साथ-साथ उपार्जित गेहूं के परिवहन और भंडारण का कार्य भी युद्ध स्तर पर जारी है। किसानों के आर्थिक हितों को प्राथमिकता देते हुए भुगतान की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है, जिसके तहत अब तक 58.88 करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में हस्तांतरित किए जा चुके हैं। प्रशासन ने किसानों से अनुरोध किया है कि वे अव्यवस्था से बचने के लिए अपने निर्धारित स्लॉट के अनुसार ही केंद्रों पर पहुंचें, ताकि उपार्जन और भुगतान की प्रक्रिया समय सीमा में पूरी की जा सके।

सेटिंग का संडे और भ्रष्टाचार का मंडे

रिटायरमेंट से पहले हनुमंते साहब की अंतिम वसूली सेल!

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिला प्रशासन में इन दिनों विदाई पार्टी से ज्यादा वसूली पार्टी की चर्चाएं आम हैं। लोक निर्माण विभाग के गलियारों से छनकर आ रही खबरें बताती हैं कि कार्यपालन यंत्री राजकुमार हनुमंते इन दिनों सरकारी फाइलों के निपटारे से ज्यादा, अपने निजी हिसाब-किताब को बराबर करने में मशगूल हैं। सूत्रों का दावा है कि साहब के रिटायरमेंट में अब महज कुछ महीना ही शेष बचे है, और इसी महीने में वो बोनस बटोरने की जुगत में हैं।

जानकारों का कहना है कि यदि आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ हनुमंते के कार्यकाल और उनके संपत्ति का कच्चा चिट्ठा खंगाल ले तो आय से अधिक संपत्ति का एक ऐसा पहाड़ खड़ा मिलेगा जिसे देखकर बड़े-बड़े धुरंधरों के पसीने छूट जाएंगे। भ्रष्टचार के इस खेल में लेन-देन की सेटिंग इतनी पक्की है कि आम आदमी का फोन उठाना तो दूर, हनुमंते की परछाई भी बिना वजन के नहीं हिलती।

राजकुमार हनुमंते
कार्यपालन यंत्री लोनिवि।

द्वारकानाथ डहेरिया।

जाते-जाते कमीशन का मोह

विभागीय सूत्रों की मानें तो हनुमंते साहब का पूरा ध्यान अब केवल उन फाइलों पर है जिनमें सेटिंग की गुंजाइश है। जनता पूछ रही है कि क्या रिटायर होने जा रहे अधिकारी को खुली छूट दे दी गई है? क्या शासन की पारदर्शी व्यवस्था केवल विज्ञापनों तक सीमित है?

अब देखना यह होगा कि लेडी सिंघम का चाबुक इन भ्रष्ट अधिकारियों पर चलता है या फिर हनुमंते साहब अपनी आय से अधिक संपत्ति के पोटली के साथ सुरक्षित विदा हो जाते हैं। वही अंतिम महीने में फाइलों को रोकने और वसूली करने का तीखा प्रहार है।

दहेज हत्या के आरोपी पर मेहरबानी का राज क्या?

हैरानी की बात तो यह है कि जिस विभाग में द्वारकानाथ डहेरिया जैसे दागी और दहेज हत्या 304क्के आरोपी को मलाईदार पोस्टिंग दी गई हो, वहां नैतिकता की उम्मीद करना ही बेमानी है। भ्रष्टाचार की सीमेंट से बनी इस जुगलबंदी ने शासन-प्रशासन के इकबाल को चुनौती दे दी है।

खाकी का थर्ड आई एक्शन

बस स्टैंड पर हाथ साफ करने वाला शातिर चोर दबोचा, सलाखों के पीछे पहुँचा

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

यात्री प्रतीक्षालय में चैन की नींद सो रहे मुसाफिरों की जेब पर कैंची चलाने वाले शातिर चोर को कोतवाली पुलिस ने धर दबोचा है। पुलिस की पैनी नजर और मुस्तैदी ने न केवल चोरी गए मोबाइल बरामद किए, बल्कि आरोपी को सीधे जिला जेल की सैर करा दी है।

मामला 2 मई की दरमियानी रात का है। नागपुर से लौटकर अपने गांव जाने की राह देख रहे शुभम उमरकाम और रज्जू चंद्रवंशी सिवनी बस स्टैंड के यात्री प्रतीक्षालय में सुस्ता रहे थे। रात करीब 1 बजे जब थकान की वजह से उनकी आंख लगी, तो ताक में बैठे चोर ने हाथ साफ कर दिया। शुभम का रियलमी 10 प्रो और रज्जू का एक अन्य कीमती मोबाइल पलक झपकते ही गायब हो गया।

इनका कहा है

अपराधी चाहे कितना भी शातिर क्यों न हो, कानून के लंबे हाथ उसकी गिरेबान तक पहुँच ही जाते हैं। बस स्टैंड पर सोने वालों सावधान! पुलिस तो मुस्तैद है, पर आपकी सतर्कता ही आपकी सबसे बड़ी सुरक्षा है।
-सतीश तिवारी,
थाना प्रभारी कोतवाली

पुराना खिलाड़ी है आरोपी!

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, तिलक वार्ड निवासी अंकित जैन कोई नौसिखिया नहीं है। उसके खिलाफ पहले भी कोतवाली थाने में जुआ एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। आदतन अपराधी होने के कारण पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे सीधे जिला जेल सिवनी भेज दिया गया है।

इनकी रही मुख्य भूमिका

पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन में इस कामयाबी के पीछे कोतवाली थाना प्रभारी सतीश तिवारी की टीम में मुकेश गोडाने, चंद्रप्रकाश अडमें, सिद्धार्थ दुबे, सतीश इनवाती और प्रतीक बघेल की टीम की अहम भूमिका रही।

पुलिस की वार अंकित जैन गिरफ्तार:

जैसे ही सुबह रिपोर्ट दर्ज हुई, कोतवाली पुलिस ने जाल बिछाया। मुखबिरों के तंत्र और तकनीकी जांच के बाद पुलिस का शक अंकित जैन पिता स्व. अनिल कुमार जैन (23) पर गहराया। जब पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर अपने खास अंदाज में पूछताछ की, तो आरोपी ने अपना गुनाह उगल दिया। वही आरोपी के पास से करीब 15 हजार रुपये कीमत के दोनों मोबाइल जब्त कर लिए गए हैं।

नशा नाश है : नशे में धुत शराबियों ने की अपने दोस्त की हत्या!

पहले शराब दुकान के सामने हुआ विवाद ,फिर मोरखा रोड में लेजाकर उतारा मौत के घाट ....

छिंदवाड़ा | संवाददाता
rashtrabaan.in

25 अप्रैल को सीतापार गांव के पास सड़क किनारे मिले एक युवक के शव की गुत्थी चौरई पुलिस ने सुलझा ली है। दरअसल युवक को उसके दो दोस्तों ने मामूली विवाद के बाद पत्थर पटककर उसे मौत के घाट उतार दिया था। मामले का खुलासा करते हुए चौरई पुलिस ने हत्या के मामले संलिप्त 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी मोहन सिंह मर्सकोले ने बताया कि विगत दिनों अखिलेश शर्मा उर्फ हनुमान का शव सीतापार में मोरखा रोड पर पड़ा मिला था जिसकी सूचना मध्य रात्रि राहगीरों द्वारा पुलिस को दी गई थी जिसके पश्चात मौके पर फॉरेंसिक टीम द्वारा जांच की गई एवं हत्या का संदेह था जिसके बाद मृतक के दोस्तों से पूछताछ की गई ,जिसमें सफलता मिली एवं पूर्ण छानबीन के बाद पता चला कि साथ के लोगों ने ही 27 वर्षीय अखिलेश शर्मा उर्फ हनुमान ,गौरैया निवासी की जान ली है।जिसके बाद आरोपी राहुल पिता स्व अशोक विश्वकर्मा एवं राजिक पिता भरत भाट पर हत्या की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

शराब के नशे में पत्थर मार कर उतारा मौत के घाट...

दरअसल तीनों ही शराब का सेवन करते थे एवं शराब को लेकर वाद विवाद के बाद तीनों मोरखा पुन : शराब पीने जा रहे थे तभी रास्ते में गाली गलौज होने के बाद राहुल और राजिक ने पत्थर मार मार कर अखिलेश की जान ले ली एवं मौके से दोनों आरोपी फरार हो चुके थे जिसके बाद दोनों पर पुलिस को संदेह था एवं दोनों को राउंडअप भी किया गया था जिसके बाद मामले का खुलासा हो गया।

इस टीम ने किया खुलासा...

एसडीओपी भारती जाट के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मोहन सिंह मर्सकोले, सउनि. पूनम सनोडिया,प्रधान आरक्षक गोपाल साहू एवं राजू भारती एवं स्टाफ की खुलासा करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

समय-सीमा में हो योजनाओं का क्रियांवयन : कलेक्टर

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने कहा कि शासकीय योजनाओं एवं विकास परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में प्रभावी रूप से मूर्त रूप देकर उनका लाभ शीघ्रता से आम नागरिकों तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का जमीनी स्तर पर बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि प्रशासन का प्रत्येक कार्य आमजन की सुविधा, राहत एवं संतुष्टि से सीधे जुड़ा है, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय, सतत मॉनिटरिंग एवं जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण परिणाम सुनिश्चित करें। उक्त निर्देश कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक के दौरान अधिकारियों को दिए।

बैठक में सर्वप्रथम सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती मीना ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिकतम शिकायतों का निराकरण संतुष्टि के साथ किया जाए, ताकि नागरिकों को बार-बार शिकायत करने की आवश्यकता न पड़े। उन्होंने कहा कि 100 दिनों से अधिक लंबित शिकायतें किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हैं।

वंदे मातरम् और राष्ट्रगान के साथ सिवनी कलेक्ट्रेट में कार्यदिवस का आगाज

सिवनी। शासकीय परंपरा के अनुसार माह के प्रथम कार्य दिवस पर कलेक्ट्रेट सभागार में गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर नेहा मीना की उपस्थिति में अधिकारी-कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत वंदे मातरम् और राष्ट्रगान जन गण मन का गायन किया। सामूहिक गायन के साथ ही शासकीय कार्यों की औपचारिक शुरुआत हुई कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ अंजली शाह, अपर कलेक्टर सीएल चनाप, अपर कलेक्टर सुनीता खंडायत सहित कलेक्ट्रेट के समस्त विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कप्यूटर वर्ल्ड
सेल्स एंड सर्विस
लैपटॉप, कम्प्यूटर, सी.सी.टी.वी कैमरा, होम थियेटर, प्रिंटर, लेमिनेशन, फोटो कॉपियर, नेटवर्किंग, प्रोजेक्टर, कॉर्टरेज रिफलिंग
संपूर्ण कम्प्यूटर ऐससरीज उपलब्ध
पुराने कम्प्यूटर व लैपटॉप उपलब्ध
संपर्क- बैनगंगा कॉम्प्लेक्स, बस स्टैंड, सिवनी, मो.न.-9302833332

ARPIT TVS
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे
7898723789
Infront of Reliance Petrol-pump, Jabalpur Road, Jyarat Naka, Seoni 480661 (M.P)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , संपादक* संजय बघेल पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433